



नेतन्याहू ने पीएम मोदी सहित वैश्विक नेताओं से की बात, भारत ने जताई चिंता

नई दिल्ली। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी सहित कई अन्य देशों के नेताओं से बातचीत की। यह जानकारी नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में दी गई। यह ईरान पर हवाई हमलों को लेकर नेतन्याहू की अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की कूटनीति माना जा रही है।

नेतन्याहू ने बीती रात से जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों सहित कई विश्व नेताओं से बातचीत की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक संक्षिप्त बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि नेतन्याहू जल्द ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से भी बातचीत करेंगे। बयान के मुताबिक, इन नेताओं ने ईरान की ओर से मिल रही धमकियों के बीच इस्राइल की सुरक्षा जरूरतों को समझा। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि वह आने वाले दिनों में भी इन नेताओं के संपर्क में रहेंगे। भारत सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह ईरान और इस्राइल के बीच हालिया तनाव को लेकर गंभीर रूप से चिंतित है और स्थिति पर करीबी से नजर बनाए हुए है। नई दिल्ली ने दोनों देशों से तनाव बढ़ाने वाले कदमों से बचने की अपील की है। इससे पहले, इस्राइल रक्षा बल ने बताया कि उसने ईरान में एक सटीक और पहले से तय हमला किया है। आईडीएफ के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डैफरीन ने कहा कि यह हमला ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नुकसान पहुंचाने और इस्राइल के खिलाफ ईरानी शासन की लगातार आक्रामक गतिविधियों के जवाब में किया गया है। यह हमला ईरान की ओर से बढ़ती धमकियों और हमलों को रोकने के लिए एक जरूरी और सुरक्षात्मक कदम था।

आपको बताते चलें कि इस्राइल ने दुनियाभर में अपने दूतावास बंद कर दिए हैं। आईडीएफ प्रवक्ता ने कहा, ईरानी शासन वर्षों से इस्राइल को मिटाने की बात करता आया है और इसके लिए ठोस सैन्य योजनाएं बनाता रहा है। पिछले कुछ महीनों में मिले खुफिया जानकारी से पता चला है कि ईरान पहले से कहीं अधिक परमाणु हथियार हासिल करने के करीब है। इसी को देखते हुए आज सुबह, आईडीएफ ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाकर सटीक और पहले से तय हमले शुरू किए, ताकि ईरानी शासन को निकट भविष्य में परमाणु बम बनाने से रोका जा सके।

ग्वालियर में दो मंजिला मकान की दीवार गिरी-मलबे में दबने से 3 लोगों की मौत

ग्वालियर। ग्वालियर में शुक्रवार शाम को तेज आंधी-बारिश के दौरान एक मकान की दीवार गिर गई। जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, मकान मालिक सहित 2 लोग हैं। घटना सोमवार शाम शंकरपुर इलाके की है। दरअसल, भावपुर थाना क्षेत्र स्थित शंकरपुर में महेंद्र सिंह ढंगले का मकान है। पास में ही उनका एक प्लॉट है। उस पर टीन शेड है। शाम को ग्वालियर में तेज आंधी और बारिश हुई। इसी दौरान महेंद्र के दो मंजिला मकान की दीवार टीन शेड पर ढह गई। हादसे के समय नीचे महेंद्र के साथ 5 लोग और बैठे थे। ये सभी दीवार के मलबे में दब गए। घटना का पता चलते ही पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू किया और सभी को अस्पताल पहुंचाया।

ॐतमना उवाच

रोग और आग को कभी छोटा ना समझें..
अन्धशा अन्धर्थ होने में ज्यादा वक़्त नहीं लगेगा..!
आज हर व्यक्ति रोग और मौत से भयभीत होकर जीवन जी रहा है। फिर वो बीमारी अपनी हो या अपने परिवारों की हो या मित्र की हो --- **स्वास्थ्य को लेकर सब चिंतित और परेशान है।** हम जितना बचें बीमारियों से, उतना ही बेहतर है। **हमेशा सावधान रहें अपनी लापरवाही और स्वयं की बेपरवाहसे, क्योंकि-**
■ बीमार होना सरल है पर ठीक होना बहुत कठिन है।
■ मरना सरल है लेकिन मर मर कर जीना या बीमार होकर जीना बहुत कठिन है।
हम जानते हैं- इस दुनिया में ऐसा कोई भी नहीं है, जो पूर्णतया रोगों से मुक्त हो, बीमार होने की अनेकानेक वजह हो सकती है। बीमारियाँ छोटी बड़ी नहीं होती हैं, बीमारी तो बीमारी होती है। यदि हम बीमार पड़ते हैं तो फिर वो कोई भी बीमारी हो, सबसे पहले हम उसे स्वीकार करें और उपचार की बुनियादों से अपनी वर्तमान स्थिति को संभालें, क्योंकि यातन शरीर अति संवेदनशील है। इस पर हर तरह की बातों का असर होता है। अगर हमारे शरीर के साथ कुछ गलत होता है, तो यह रोग दो गुना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।
ध्यान रखें- कभी भी अपनी बीमारी को सबसे शेर ना करें, उनसे शेर करें जिनके पास आपकी बीमारी का इलाज हो, समाधान हो। अन्यथा: **लोग सामने दुःख खिलारेंगे और आपकी पीठ पीछे लड्डू खिलारेंगे....!!!**
■ **अर्तमना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

दिगम्बर जैन मंदिर, प्रीतमपुरा, दिल्ली में प्रतिदिन की भांति धूप-भीषण गर्मी में जाप-त्प-साप्ताहिक साधना करते तपोश्रीरामाणि अर्तमना गुरुदेव आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज

अमृत दर्शन

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

॥ श्री हरि शरणम् ॥

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 12 अंक - 347

रायसेन
शनिवार, 14 जून 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

एयर स्ट्राइक में 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के 100 प्रमुख स्थानों को बनाया निशाना

इजराइल ने ईरान के कई एटमी ठिकाने किए तबाह

78 की मौत, 329 घायल, 6 परमाणु वैज्ञानिक और 4 मिलिट्री कमांडर मारे गए

तेहरान/तेल अवीव ■ एजेंसी
इजराइल ने शुक्रवार सुबह 200 फाइटर जेट्स से ईरान के 6 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। इसमें 78 लोग मारे गए और 329 घायल हो गए। मरने वालों में ईरान के 6 परमाणु वैज्ञानिक और टॉप 4 मिलिट्री कमांडर समेत 20 सैन्य अफसर हैं।

इजराइली हमले के जवाब में ईरान ने दोपहर में पलटवार किया और 100 से ज्यादा ड्रोन दोगे। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उन्होंने सभी ड्रोन मार गिराए। अभी तक एक भी ड्रोन इजराइल की सीमा में नहीं पहुंचा। इस बीच इजराइली पीएम नेतन्याहू ने पीएम मोदी से फोन पर बात कर मिडिल ईस्ट के हालात की जानकारी दी। नेतन्याहू जल्द ट्रंप और पुतिन से बात करेंगे। इससे पहले आज सुबह इजराइल ने ईरान पर 200 फाइटर जेट्स से हमला किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इजराइली सेना ने तेहरान के आसपास कम से कम 6 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन 6 में से 4 जगहों पर परमाणु ठिकाने भी मौजूद हैं।

ईरान के कमांडर की मौत

ईरान के सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि इजराइली हमले में इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्पस के कमांडर हुसैन सलामी की मौत हो गई है। अल-जजीरा के मुताबिक हमले में ईरान के दो प्रमुख परमाणु वैज्ञानिक मोहम्मद मेहदी तेहरांची और फरदून अब्बासी भी मारे गए हैं। इजराइल ने यह दावा किया है कि हमले में ईरान के आर्मी चीफ मोहम्मद बाघेरी, सेना के अन्य बड़े अधिकारी और कुछ वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक भी मारे गए हैं। इस बीच, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने कहा कि हमारी सेना इजराइल को सजा दिए बिना नहीं जाने देगी।

ईरान ने इजरायल और अमेरिका को दी धमकी, 'चुकानी पड़ेगी भारी कीमत'



ईरान। शुक्रवार सुबह इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान पर बड़ा हमला कर दिया। इस हमले के दौरान इजरायल ने ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को निशाना बनाया

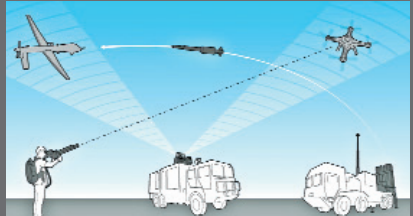
ईरानी विदेश मंत्री बोले- इजराइल ने सारी हदें पार की, बहुत पछताएगा

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को लेकर लिखकर इजरायली हमले को युद्ध का ऐलान करार दिया। उन्होंने कहा कि इजराइल ने सारी हदें पार कर दी है। इजराइल इस पर गलती पर बहुत पछताएगा।

इजराइली हमले में ईरान के 78 लोगों की मौत

ईरान के सूत्रों के मुताबिक, हवाई हमलों में 78 लोग मारे गए हैं और 329 घायल हुए। इराक ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इजराइल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। बगदाद के विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। शिकायत में इराक ने कहा है कि ईरान पर बड़े हमले के दौरान इजराइल ने उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। इराक की मंत्रालय ने इसे इराक की संप्रभुता का गंभीर उल्लंघन बताया है और सुरक्षा परिषद से अपील की कि वह इस मामले को गंभीरता से ले और आगे ऐसी घटनाओं को दोहराए जाने से रोके।

इसाइल पर ईरान का पलटवार, 100 से अधिक ड्रोन से किया अटक



यरुशलम/तेहरान। पश्चिम एशिया में युद्ध जैसे हालात बन चुके हैं। इजरायल द्वारा शुक्रवार सुबह तेहरान पर किए गए सैन्य हमले के बाद ईरान ने जोरदार जवाबी कार्रवाई की है। ईरान ने इजरायल पर 100 से अधिक ड्रोन दोगे हैं, जिसकी पुष्टि खुद इजरायली सेनाने की है। इस्राइल ने सभी ड्रोन गिरने से पहले ही नष्ट कर दिए हैं।

रिवोल्यूशनरी गार्ड सहित 17 कमांडर प्रमुख भी मारे गए



इस्राइल के हमले में ईरान के तीन शीर्ष सैन्य कमांडर भी मारे गए हैं। इनमें ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी, सबसे ताकतवर अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख हुसैन सलामी और रिवोल्यूशनरी गार्ड के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के प्रमुख जनरल आमीर अली हाजीजादेह शामिल हैं। इसके अलावा भी ईरानी सुरक्षा बलों के कम से 17 वरिष्ठ कमांडर मारे गए हैं। ईरान ने तीनों शीर्ष सैन्य प्रमुखों के मारे जाने की पुष्टि भी कर दी है और उनकी जगह पर नए अधिकारियों की नियुक्ति भी कर दी है।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को झटका

इस्राइल के हमले में कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिक भी मारे गए हैं, इनमें अब्दुल हमीद मिनोउवहर, अहमदरजा जोल्फाघारी, सैयद अमीरहोसेन फेक्की, मोस्तबीजादेह, मोहम्मद मेहदी तहरनवी और फेरदून अब्बासी शामिल हैं। यह सभी नताज और परमाणु कार्यक्रम के विशेषज्ञ थे। इनमें कोई सेंटीप्राइज एक्सार्ट, कोई रिफ्लेक्टिंग डिजाइनर था। इनकी मौत ईरान के परमाणु कार्यक्रम के लिए बड़ा झटका है। इससे ईरान का परमाणु बनाने का सपना भी बहुत पीछे चला गया है।

पीएम ने दुर्घटनास्थल का दौरा कर बचाव कार्यों में जुटी टीमों से की वार्ता



खंडवा। मध्य प्रदेश शासन तकनीकी शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में महात्मा ज्योति राव फुले शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, खंडवा में गुरुवार को दिशा पहल के अंतर्गत, आगा खान ग्रामीण सहायता प्रकल्प के द्वारा युथ स्किल डेवलपमेंट और एम्प्लॉईबिलिटी बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। इस प्रोग्राम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं के सोशल, इमोशनल, फिजिकल, मेंटल और इंटेलेक्चुअल उन्नयन अर्थात सर्वांगीण विकास के लिए किया जाना है। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य श्री अपूर्व साकल्ले ने दिशा पहल के बारे में बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य कौशल निवेश और बुनियादी ढांचे के उपयोग को सुव्यवस्थित और अनुकूलित कर कौशल विकास परिणामों को बढ़ाना तथा इसमें सरकारी एजेंसियों, निजी निवेशकों और संबंधित संस्थानों के बीच एक सहयोगी परिस्थितिकी तंत्र बनाना है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को उनकी सफलता के लिए मार्गदर्शन दिया और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इंदौर ■ गिरि

इंदौर में गुरुवार को चली आंधी के बाद शुक्रवार को भी कई क्षेत्रों में बत्ती गुल रही। कम स्टाफ और संसाधनों से जुझते बिजली विभाग के पास एक दिन की बारिश से निपटने के भी इंतजाम नहीं है। गुरुवार से अंधेरे में डूबे शहर में यह सवाल उठ रहे हैं कि तेजा बारिश होने और मानसून आने पर क्या होगा।

आज भी कई क्षेत्रों में बत्ती गुल: इंदौर में गुरुवार को शाम को मौसम बिगड़ा और तूफानी हवा, तेज बारिश से शहर में बिजली आपूर्ति व्यवस्था



टप्प हो गई। कई क्षेत्रों में तो 8 घंटे तक बिजली नहीं रही। बंगाली चौगहे, से लेकर विजय नगर तक के कई क्षेत्रों में लोग अंधेरे में डूबे रहे। शुक्रवार को भी लगभग यही हाल रहे और शहर के कई क्षेत्रों में दो से 4 घंटे तक बिजली नहीं

पेड़ों के गिरने से बढ़ी समस्या

शहर अवीक्षण यंत्री डीके गाटे ने कहा कि मप्र विद्युत वितरण कंपनी ने मौसम बिगड़ने के दौरान उपभोक्ताओं से धैर्य बनाए रखने एवं आपूर्ति व्यवस्था को लेकर जॉन, कॉल सेंटर के नंबरों पर संपर्क करने का निवेदन किया है। शहर के पांचों डिविजनों से संबंधित निम्न दाब एवं उच्च दाब टीमों ने मोर्चा संभाला और कम समय में आपूर्ति व्यवस्था सामान्य करने के प्रयास प्रारंभ किए। इसी कारण गुरुवार को शाम छः बजे तक प्रभावित 60 फीडरों में से 42 फीडर सामान्य कर लिए गए। शेष 18 फीडरों पर कार्य चल रहा है, यह कार्य भी जल्द ही पूर्ण हो जाएगा। शहर के अवीक्षण यंत्री ने बताया कि करीब 12 स्थान पर लाइनों, ट्रांसफार्मरों पर पेड़ की बड़ी डाली या पूरा पेड़ गिरने से व्यवस्थाएं प्रभावित हुई थीं।

शुक्रवार तक यह समस्या चलती रही।

600 कर्मचारियों को फील्ड में तैनात किया: इंजीनियर और कर्मचारियों ने इस जोखिम भरे कार्य

को दो घंटे से कम समय में पूर्ण कर अधिकांश स्थानों से पेड़ हटाकर, अन्य जरूरी कार्य कर आपूर्ति सामान्य की।

संक्षिप्त समाचार

आज से अंडर 17 फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

सिवनी मालवा। नगर के टैगोर पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया गया है। उक्त जानकारी आयोजक भाजपा नेता विक्रम



सूर्यवंशी ने देते ही बताया कि नगर में पहली बार अंडर 17 फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जो की 14 जून शनिवार को समय 4-00 बजे से प्रारंभ होगा जिसमें पहला मैच महिला वर्ग की टीम द्वारा महिला

मैत्री मैच कार्यक्रम के शुभारंभ में खिलाया जाएगा। जिसमें जिले की टीम में हिस्सा लेगी दो दिवसीय कार्यक्रम 14 तारीख को प्रारंभ होकर 15 तारीख शाम 5-00 बजे इसका समापन होगा।

मत्स्याखेट या मत्स्य परिवहन 15 अगस्त तक प्रतिबंध

खण्डवा। वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि की दृष्टि से उन्हें संरक्षण देने हेतु मध्य प्रदेश के सभी जल संसाधनों में म.प्र. नदीय मत्स्योद्योग के अंतर्गत प्रतिवर्ष 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु (फ्लोज सीजन) घोषित किया गया है। क्षेत्रीय प्रबंधक म.प्र. मत्स्य आकारेश्वर, मान एवं माही जलाशयों में भी उक्त अवधि में सभी प्रकार का मत्स्याखेट, मत्स्य क्रय-विक्रय, मत्स्य विनिमय अथवा मत्स्य परिवहन करना निषेध होगा। क्षेत्रीय प्रबंधक उपाध्याय ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने पर एक वर्ष का कारावास या पांच हजार रुपये तक का जुर्माना या दोनों से दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अवधि में इंदिरासागर, ओंकारेश्वर, मान एवं माही जलाशयों में किसी प्रकार का मत्स्याखेट या मत्स्य परिवहन न तो स्वयं करे और न ही अन्य को इस कार्य में सहयोग दे।

सहकारी बैंक के प्रबंधक राजेन्द्र आचार्य की सेवाएं समाप्त की गयीं

खरगोन। कलेक्टर सुश्री भव्या मितल ने गत 27 मार्च 2025 को सहकारिता विभाग की गबन धोखा धड़ी की बैठक में जिले की सहकारी समितियों में की गई आर्थिक अनियमितता के प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की थी। इस दौरान जिला सहकारी बैंक खरगोन के राजेन्द्र आचार्य द्वारा किये गए गबन के माहले में तुरंत जांच करने तथा दो माह के भीतर उनकी सेवा समाप्त का अंतिम ऑर्डर जारी करने के निर्देश बैंक प्रबंध संवातक पीएस धनवाल दिए गए थे। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए सहकारी केन्द्रीय बैंक खरगोन में प्रभारी प्रबंध संवातक के रूप परस्परगी के दौरान गंभीर प्रशासनिक एवं गंभीर आर्थिक अनियमितताएं की गयी थी।

मकान मालिक का बड़ा खुलासा

सोनम इस फ्लैट में छुपी थी, राज कुशवाह नहीं इस व्यक्ति ने की बुकिंग

इंदौर ■ गिरि

राजा रघुवंशी की हत्या के बाद पुलिस ने सोनम रघुवंशी, राज कुशवाह और तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सभी से पूछताछ की जा रही है। राजा की हत्या के बाद सोनम देवास के एक फ्लैट में छुपी थी। यह फ्लैट विशाल सिंह चौहान ने बुक किया था। फ्लैट के मालिक शिलोम जेम्स ने बताया कि 29 या 30 मई की रात थी। विशाल सिंह चौहान यहां पर फ्लैट देखने के लिए आया था। उसने मुझे कहा कि मेरा मकान मालिक से विवाद हो गया है, मुझे तुरंत एक फ्लैट चाहिए। मकान मालिक ने बताया कि हमने एग्रीमेंट और वेरिफिकेशन के बाद उसे फ्लैट दे दिया। हमने तीन महीने का क्रियाया लिया, आधार कार्ड और फोटो लिए। गौरतलब है कि सोनम 25 मई से 8 जून तक इंदौर में रुकी थी। इस दौरान वह एक होटल में और इस फ्लैट में ठहरी थी।

विशाल के साथ एक लड़का और था: मकान मालिक ने बताया कि विशाल सिंह चौहान के साथ एक और लड़का था। दोनों दो पहिया गाड़ी से आए थे। यह सब फ्लैट जो वन में ठहरे थे। मकान मालिक ने कहा कि हमारे पास उनका पुलिस वेरिफिकेशन है, एग्रीमेंट भी है। विशाल ने



अभी तक पुलिस को क्यों नहीं दी जानकारी

जब मकान मालिक से पूछा गया कि अभी तक आपने पुलिस को इस बात की जानकारी क्यों नहीं दी तो उसने कहा कि वह कुछ दिन के लिए बाहर गया था। विशाल का चेहरा भी उसे ठीक से पहचान नहीं आ पा रहा था क्योंकि वह उसे सिर्फ एक बार ही मिला था। मकान मालिक ने बताया कि बिल्डिंग नहीं बन रही है और सिर्फ एक ही फ्लैट तैयार था जिसे विशाल को दिया गया था। विशाल ने तीन महीने का रेंट 16 हजार रुपए दिया था। दो महीने का डिमांड और एक महीने का रॉफ़ी।

अपना ही आधार कार्ड दिया था। विशाल ने फ्लैट लेने के बाद कहा था कि मेरे भाई और बहन इस फ्लैट में रहने आएंगे। कभी कभी मम्मी पापा भी आएंगे। विशाल ने बताया था कि वह फर्नीचर का काम करता है। फ्लैट मालिक ने कहा कि हम पुलिस को पूरा सहयोग करेंगे। हमारे पास पूरे दस्तावेज हैं।

क्राइम ब्रांच की टीम भी पहुंची: राज ने क्राइम ब्रांच और शिलॉन पुलिस

के सामने कहा था, सोनम देवास नाके पर कार शोर्ूम के पास जिस होटल में फर्नीचर का काम चल रहा था, वहां ठहरी थी। क्राइम ब्रांच टीम इस बात की पुष्टि करने मौके पर पहुंची थी। पहले टीम डॉमिनोज के पास स्थित होटल में पहुंची। यहां 26 मई की रात विशाल और अंजलि नाम के कपल के रुकने की जानकारी सामने आई। दोनों ने अपना पता गोविंद नगर लिखवाया था। दोनों रात 2 बजे

सोनम से रिश्ता खत्म कर गोविंद ने किया जीजा का पिंडदान

राजा के मोक्ष के लिए बड़े भाई विपिन रघुवंशी और भतीजे विधान ने सिद्धवत पर नारायण बलि का पूजन अर्चन कर पिंड बनाकर उनका पूजन किया। इस दौरान सोनम का भाई भी साथ-साथ रहा। उसने राजा की मोक्ष की कामना को लेकर तर्पण किया और पूरे समय परिवार के साथ ही दिखाई दिया। इंदौर के बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद शिलॉन पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी है। वहीं राजा रघुवंशी के परिजन अपने बेटे के मोक्ष की कामना को लेकर धार्मिक नगरी उज्जैन में पहुंचे। यहां उन्होंने सिद्धवत पर नारायण बलि का पूजन अर्चन कर पिंड बनाए उनका पूजन किया और फिर इन्हें मां शिष्ठा प्रार्थना किया।

होटल पहुंचे और करीब 4 घंटे बाद वहां से चले गए। रजिस्टर में भी आधार कार्ड की एंट्री मिली। वहां से मोबाइल नंबर लिखाया था, वह गलत निकला। लेकिन इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई कि यहां अंजलि नाम से रुकने वाली युवती सोनम ही थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने उस होटल का भी पता लगाया जहां फर्नीचर बन रहा था। हालांकि राज शिलॉन पुलिस को उस होटल का नाम नहीं बता पाया था।

बीजेपी नेता प्रवीण अवरस्थी ने एसडीएम सरोज परिहार को ज्ञापन सौंपा

109 शिकायतों में नामांतरण सहित 11 मांगों का ज्ञापन, राजस्व अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया

सिवनी मालवा ■ गिरि

शुक्रवार के दिन भाजपा नेता प्रवीण अवरस्थी के नेतृत्व में एसडीएम सरोज परिहार को तहसील परिसर में करीब एक सप्ताह धरना देने के बाद 109 जन शिकायतें एवं 11 प्रमुख मांगों का ज्ञापन दिया गया। इस दौरान भाजपा नेता और पूर्व नपा उपाध्यक्ष ने राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। दरअसल, पूर्व नपाध्यक्ष तहसील परिसर में 2 जून से 10 जून 12 दिनों से तहसील कार्यालय के सामने टेंट लगाकर जनता की सुनवाई कर

साक्षि़स समाचार

आतंकियों से भर चुकी है हाई सिक्थोरिटी सेल

भोपाल। भोपाल सेंट्रल जेल की हाई सिक्थोरिटी सेल आतंकियों से भर चुकी हैं। आतंकियों की तादाद यहां इतनी हो चुकी है कि सेल छोटी पड़ने लगी है। अब जेल में 12 नई हाई सिक्थोरिटी सेल का निर्माण कराया गया है। जिसके लिए 1.20 करोड़ का बजट पारित हुआ था। करीब दो साल में यह हाई सिक्थोरिटी सेल बनकर तैयार हुई हैं। जल्द ही इनमें कुछ्यात आतंकियों को शिफट किया जाएगा। जेल सुपरिंटेंडेंट राकेश भांगरे ने बताया कि भोपाल सेंट्रल जेल में फिलहाल 69 आतंकी बंद हैं। जो अलग-अलग संगठनों से ताल्लुक रखते हैं। इसमें स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया के 23, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के 21 हिज्ब उत तहरीर के 17, रेएमबी के 4 और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया के 4 आतंकी बंद हैं। जेल में हाई सिक्थोरिटी सेल की क्षमता 58 है। वर्तमान में 69 आतंकियों को यहां रखा गया है। जल्द नई हाई सिक्थोरिटी सेल में भी आतंकियों को शिफट किया जाएगा।

बीडीए का बाबू दस हजार की रिश्तत लेते गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के बाबू को लोकयुक्त ने दस हजार रुपए की रिश्तत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। फरियादी ने 4 महीने पहले अपने मकान के नामांतरण का आवेदन दिया। बाबू बिना रिश्तत लिए नामांतरण नहीं होने दे रहा था। तंग आकर युक्त ने लोकायुक्त को लिखित शिकायत की। शिकायत की जांच के बाद शुक्रवार दोपहर ट्रैप कारवाई को अंजाम दिया गया है। जांचकारी के मुताबिक बैरसिया रोड निवासी धनश्याम राठौर ने आवेदन देकर बताया कि बीडीए का बाबू शहाब उद्दीन सिद्दीकी उनके मकान के नामांतरण के एवज में फीस से अतिरिक्त दस हजार रुपए देने की मांग कर रहा है। मांग पूरी नहीं करने पर चार महीने से उनके काम को अटका रखा है। शिकायत की जांच के बाद शुक्रवार को आरके सिंह उप पुलिस अधीक्षक की टीम ने आरोपी को ट्रैप कर लिया। उसके खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

कलेक्टर ने किया कोलार तहसील न्यायालयों का निरीक्षण

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने शुक्रवार को तहसील कोलार कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तहसील के तीनों कोर्ट - तहसीलदार, नायाब तहसीलदार एवं अनुविभागीय अधिकारी कोर्ट का जांचका लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने आरसीएसएफ प्रकरणों का मिलाचट कर अधिकारियों को समय-सीमा में समस्त प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रकरण विधिवत पंजीबद्ध हो, कोई भी प्रकरण बिना पेरी की न हो तथा पारित आदेशों का तत्काल अमल कर खसरे में दर्ज करते हुए आवेदक को निःशुल्क प्रति प्रदान की जाए। रिपोर्ट रूम की अव्यवस्थित स्थिति पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की और नवीन तहसील कार्यालय भवन का निरीक्षण कर रिपोर्ट रूम को सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेरा प्रकरणों में शीघ्र कार्रवाई कर वसूली सुनिश्चित करने तथा उच्च न्यायालय एवं सिविल न्यायालय के प्रकरणों में समय पर जवाब/दावा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

मग्न के चार जिले हुए मलेरिया मुक्त

अब शहरों के बाद 15 जिलों में गांव-गांव जाएंगे वॉलिटियर

भोपाल ■ **विस्**
बारिश का महीना शुरू होते ही मच्छर जनित बीमारियां डेंगू,मलेरिया के केस बढ़ने लगते हैं। इसे लेकर विभाग लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है। प्रदेश के चार जिले हरदा,आगर-मालवा, विदिशा और शाजापुर में मलेरिया के केस जीरो हो गए हैं। यह विभाग की बड़ी उपलब्धि है। शहरों के साथ अब गांवों में भी मलेरिया को कंट्रोल करने की प्तांगि की गई है। शुक्रआती दौर में एंबेड परियोजना के सहयोग से प्रदेश के 15 जिलों के प्रत्येक गांव में एक-एक वॉलिटियर भेज आया। ये वॉलिटियर गांव में लोगों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक करेंगे और जिस क्षेत्र में लावां पाया जाएगा

यूपीएस लागू करने की तैयारी में मग्न सरकार

4 लाख 50 हजार पेंसनर्स को मिलेगा लाभ

भोपाल ■ **विस्**

मग्न की मोहन यादव सरकार केंद्र सरकार की यूनिफाइड पेंशन स्कीम को किसी भी वक्त राज्य में लागू कर सकती है। प्रदेश के अधिकारियों का कहना है कि यूपीएस को लागू करने के लिए सरकार को इसका प्रस्ताव सदन में पटल पर रखना होगा। सरकार जब चाहे तब ये कदम उठा सकती है। प्रदेश के वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने यूपीएस को लेकर शुरुआती तौर पर काम कर लिया है। इस पेंशन स्कीम को लागू करने के लिए सरकार को 225 करोड़ अतिरिक्त रूपयों की जरूरत होगी। यानी, सरकार को यूपीएस के लिए नेशनल पेंशन स्कीम की राशि से 4.5 फीसदी न्यन्दा बजट की व्यवस्था करनी होगी। राज्य सरकार ने अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए इन्क्रीटी लिमि्ट और फंड मैनेजर जैसे विकल्पों में वृद्धि की है। रिटायरमेंट के बाद लोगों को इनका सीधा लाभ मिलेगा। हालांकि, ये दोनों लाभ बाजार के जोखिम पर निर्भर करेंगे। इस स्कीम में राज्य के उन अधिकारियों-कर्मचारियों को शामिल किया गया है, जिनकी नौकरी साल 2005 में लगी, जबकि, ऑल इंडिया सर्विस के उन अधिकारियों-कर्मचारियों को शामिल किया जाएगा जिनकी नौकरी साल 2004 में लगी।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों के लिए एक अप्रैल, 2025 से



मग्न सरकार ने भी बनाई कमेटी

मग्न सरकार भी एक अप्रैल, 2005 को या उससे बाद नियुक्त सरकारी कर्मचारियों के लिए यूपीएस लागू करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार ने अपर मुख्य सचिव वन अशोक बर्गवाल की अध्यक्षता में आइएसएस अफसरों की कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी गत 29 अप्रैल को गठित की गई थी, लेकिन अब तक कमेटी की एक भी बैठक नहीं हुई है। यही वजह है कि सरकार यूपीएस लागू करने को लेकर आगे कोई निर्णय नहीं ले पाई है। अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, सचिव वित्त लोकेश जाटव, संचालक बजट तनी सुन्दिवाल, उप सचिव जीएडी अजय कटेरसिया समिति के सदस्य और संचालक पेंशन जैके शर्मा सदस्य सचिव है। एनपीएस के अंतर्गत आने वाले जो लोग संशोधित योजना का विकल्प चुनते हैं, उन्हें उनके अंतिम वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर गारंटीशुदा पेंशन और मुद्रास्फीति में वृद्धि प्राप्त होगी। कर्मचारी की मृत्यु पर कर्मचारी की पेंशन का 60 प्रतिशत उसके परिजनों को दिया जाएगा (पारिवारिक पेंशन)। इसके लागू होने पर मग्न में करीब पांच लाख सरकारी कर्मचारियों को यूपीएस का लाभ मिलेगा।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लागू कर चुकी है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) और यूनिफाइड पेंशन स्कीम में से किसी एक को चुनने का फैसला इसी महीने (जून) के अंत तक करना है।

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक वर्तमान में एनपीएस में पेंशन फंड में कर्मचारियों के वेतन से 10 प्रतिशत की कटौती की जाती है, जबकि राज्य सरकार द्वारा 14 प्रतिशत राशि जमा की जाती है। यूपीएस लागू होने पर पेंशन फंड में

जमीनी काम पूरा

राज्य के वित्त विभाग के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने जमीनी काम कर लिया है और सरकार को 2024-25 के लिए मग्न में एनपीएस के लिए अनुमानित राशि के लिए अतिरिक्त 225 करोड़ रुपये या 4.5 प्रतिशत अधिक खर्च करना होगा, जो लगभग 5000 करोड़ रुपये है। हालांकि, यूपीएस बाजार जोखिम पर आधारित होगा। इसमें 2005 के बाद के राज्य सेवाओं के अधिकारी-कर्मचारी और 2004 के बाद के अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारी शामिल होंगे। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए मौजूदा एनपीएस के विकल्प के रूप में यूपीएस लॉन्च किया। अप्रैल 2025 में कार्यान्वयन के लिए निर्धारित, यह नई योजना 2004 के बाद शामिल हुए कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प प्रस्तुत करती है। प्रदेश में वर्तमान में करीब 4 लाख 50 हजार कर्मचारी नेशनल पेंशन स्कीम के दायरे में हैं। ये कर्मचारी लंबे समय से सरकार से ऑलड पेंशन स्कीम लागू करने की मांग कर रहे हैं। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री उमाशंकर तिवारी का कहना है कि सरकार को ऑलड पेंशन स्कीम लागू करना चाहिए। यूपीएस को लेकर कर्मचारी सहमत नहीं है।

कर्मचारियों के वेतन से पूर्व की तरह 10 प्रतिशत राशि ही काटी जाएगी, जबकि सरकार का योगदान 14 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत रह जाएगा, लेकिन सरकार को एक कॉर्पस फंड बनाना जिसमें 8.5 प्रतिशत राशि अलग से जमा करेगी।

रेडक्रास आज विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदाताओं का सम्मान करेगा

भोपाल ■ **विस्**

भारतीय रेडक्रास सोसायटी, मध्यप्रदेश राज्य शाखा द्वारा संचालित ब्लड बैंक में 14 जून 2025 शनिवार को प्रातः 11.00 बजे विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें रक्तदाताओं एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सम्मान एवं स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विजय मनोहर तिवारी, कुलगुरु, माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्व विद्वदालय एवं कार्यक्रम की अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी करेंगे। यह जानकारी



रेडक्रास के जनरल सेक्रेटरी रामेन्द्र सिंह ने दी। श्री सिंह ने बताया कि हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य उन लोगों का आभार प्रकट करना है जो स्वेच्छा से रक्तदान कर दूसरों का जीवन बचाते हैं। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति का रक्तदान

रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही, रक्तदान के प्रति लोगों में फैली भाँतियों को दूर करने के लिए जागरूकता रैलियाँ भी निकाली जाएँगी।

रामेन्द्र सिंह ने युवाओं से अपील करते हुए कहा, एक स्वस्थ व्यक्ति हर 3 महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है। रक्तदान के बाद शरीर में नया रक्त बनता है, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। मैं युवा वर्ग से आग्रह करता हूँ कि वे आगे आएँ और जनहित में अधिक से अधिक रक्तदान करें, क्योंकि आपका रक्तदान किसी के लिए जीवनदान बन सकता है।

भाभा विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय द्वारा

ग्रीन ड्रग एनालिसिस पर राष्ट्रीय स्तर की FDP सह कार्यशाला का आयोजन

भोपाल ■ **विस्**

भाभा विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय द्वारा12 जून 2025 को हाइड्रोटेपिक एनालिसिस (ग्रीन एनालिसिस) ऑफ ड्रग्स विदआउट इनव

▶ संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशी महिला घुसपैठिए को पकड़ा, अब तक 145 पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले के वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस ने एक बांग्लादेशी महिला घुसपैठिए को गिरफ्तार कर उसे डिपोर्टेशन सेंटर भेज दिया है। एकड़ी गई महिला कुलसुम बेगम (23) बांग्लादेश के ग्राम जमरिलडांगा की रहने वाली है। वह भारत में घुसपैठ कर जंगल के रास्ते से दिल्ली पहुंची थी। दिल्ली में पिछले साल दिसंबर में अभियान शुरू होने के बाद से अब तक 145 बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई हो चुकी है। दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल ने शुक्रवार को बताया कि यह कार्रवाई दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा है, जिसमें अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि महिला से पूछताछ के बाद उसको विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जल्द ही बांग्लादेश डिपोर्ट किया जाएगा। पुलिस अधिकारी के अनुसार दक्षिण-पश्चिम जिले की पुलिस अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों के खिलाफ विशेष अभियान चला रही है।

अभिनेत्री करिश्मा के पूर्व पति संजय कपूर का निधन

मुंबई। भारतीय अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति और मशहूर व्यवसायी संजय कपूर का गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 153 वर्षीय संजय कपूर पोलो खेलते समय अचानक बेहोश हो गए थे। अभिनेता सुहेल सेठ ने संजय कपूर के निधन की सूचना एक्स हैडल पर साझा की। सुहेल ने एक्स पर लिखा, 'संजय कपूर के निधन पर बहुत दुख हुआ। इंग्लैंड में उनका निधन हो गया। यह एक बहुत बड़ी क्षति है और उनके परिवार और उनके सहकर्मियों के प्रति गहरी संवेदनाएं। ओम शांति। वर्ष 2003 में 29 सितंबर को दोनों ने मुंबई में अभिनेत्री के पैतृक घर कृष्णा राज बंगले में धूमधाम से शादी की थी। संजय और करिश्मा के दो बच्चे हैं—बेटी समायरा और बेटा किथान। 2014 में इस जोड़े ने आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दाखिल की। 2016 में इस जोड़े का तलाक हो गया। इसके बाद संजय ने प्रिया सचदेव से शादी की।

इजराइल और ईरान में रहने वाले भारतीयों के लिए दूतावासों ने जारी की सलाह

तेल अवीव/तेहरान। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ रहे टकराव से दोनों देशों में स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की है। भारतीय नागरिकों से सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया गया है। इजराइल में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक एक्स हैडल पर आज सुबह इजराइल में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की है। इसमें कहा गया है कि क्षेत्र में मौजूद स्थिति को देखते हुए इजराइल में सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और इजराइली अधिकारियों और होम फ्रंट कमांड के सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी जाती है। सभी सावधानी बरतने की गुजारिश भी की गई है। सलाह में कहा गया है कि देश के भीतर अनावश्यक यात्रा करने से बचें और सुरक्षा अभ्यासों के करीब रहें। इससे पहले ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने भी एक्स हैडल पर ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सलाह जारी की।

श्रीलंका आर्मी के कमांडर ने किया जयपुर का दौरा

जयपुर। श्रीलंका आर्मी के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएमएल रोड्रिगो 12-13 जून को सप्त शिवित कमान के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। जनरल ऑफिसर का स्वागत दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने किया। श्रीलंका आर्मी के कमांडर ने दक्षिण पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर और अधिकारियों के साथ बातचीत की तथा बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और अनुभवों को साझा किया। दोनों जनरल अधिकारियों ने क्षेत्रीय सुरक्षा, संयुक्त प्रशिक्षण पहल, क्षमता विकास और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर विस्तृत चर्चा की। लेफ्टिनेंट जनरल बी के जीएम एल रोड्रिगो ने एक उपकरण प्रदर्शन और आतंकवाद विरोधी अभियानों पर एक युद्ध प्रदर्शन भी देखा। अपने सैन्य कार्यक्रमों के अलावा लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो ने सैन्य और सांस्कृतिक स्थलों का दौरा किया, जहां उन्होंने राजस्थान की समृद्ध सैन्य और सांस्कृतिक विरासत को देखा। लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो का दौरा श्रीलंका और भारत दोनों देशों के बीच अपने मजबूत रक्षा सहयोग को गहरा करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो दशकों के साझा इतिहास, आपसी विश्वास और क्षेत्रीय साझेदारी से निर्मित हुआ है। यह दोनों सेनाओं के बीच सौहार्द और व्यापक संबंधों, क्षमता निर्माण, सैन्य प्रशिक्षण और क्षेत्रीय चुनौतियों के लिए समन्वित प्रतिक्रिया को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में काम करेगा।

संयुक्त सैन्य अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट के समापन समारोह में शामिल हुए रक्षा सचिव

भारत और मंगोलिया ने नए और उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन पर विशेष ध्यान दिया



नई दिल्ली ■ एजेंसी
भारत और मंगोलिया ने द्विपक्षीय बैठक में रक्षा सहयोग और मजबूत करने के उद्देश्य से कई मुद्दों पर चर्चा की है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और मंगोलियाई रक्षा मंत्रालय के राज्य सचिव ब्रिगेडियर जनरल गोंघुया देवदोरज के साथ उलानबटार में हुई द्विपक्षीय बैठक में नए और उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन पर विशेष ध्यान दिया गया।
भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट का 17वां संस्करण शुक्रवार को मंगोलिया के उलानबटार में संपन्न हुआ। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के साथ ऑपरेशनल

लॉजिस्टिक्स और स्ट्रेटेजिक मूवमेंट के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पुण्येंद्र सिंह ने समापन समारोह में भाग लिया। दो सप्ताह तक चले अभ्यास में भारतीय सेना की टुकड़ी सक्रिय रूप से शामिल हुई, जिसमें मुख्य रूप से अरुणाचल स्काउट्स की एक बटालियन के 45 कर्मियों ने भाग लिया। संयुक्त प्रशिक्षण का फोकस संयुक्त राष्ट्र के आदेश के तहत अर्ध-शहरी और पहाड़ी इलाकों में अर्ध-पारंपरिक परिदृश्यों में एक संयुक्त टास्क फोर्स के रूप में काम करते हुए भारतीय सेना और मंगोलियाई सशस्त्र बलों के बीच अंतर-संचालन को बढ़ाना था। समापन समारोह में रक्षा सचिव ने नोमैडिक एलीफेंट अभ्यास के दौरान

भारतीय सैनिकों की व्यावसायिकता, समर्पण और आचरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास भारत और मंगोलिया के बीच दोस्ती, आपसी विश्वास और साझा सांस्कृतिक संबंधों के स्थायी बंधन का प्रमाण है। इसने सार्थक सैन्य सहयोग के लिए एक मंच के रूप में काम किया और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की संयुक्त पहलों में भारतीय सेना का योगदान न केवल परिचालन तत्परता को बढ़ाता है, बल्कि वैश्विक शांति प्रयासों में एक जिम्मेदार हितधारक के रूप में भारत की भूमिका को भी मजबूत करता है।

अमृतसर की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स की बड़ी कार्रवाई

दो तस्कर गिरफ्तार, 4.5 किलोग्राम हेरोइन और 11 लाख ड्रग मनी बरामद

चंडीगढ़ ■ एजेंसी

अमृतसर की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एनटीएफ) बाईर रेंज ने दो तस्करों को गिरफ्तार करके सरहद पार से नारकोटिक्स तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। इनके कब्जे से 4.5 किलो हेरोइन और 11 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार तस्करों को पहचान गांव धनोए खुर्द निवासी गुरभेज सिंह उर्फ भेजा और गांव माहल निवासी अभिजीत सिंह उर्फ हंपी के तौर पर हुई है। प्राथमिक जांच से पता लगा है कि गुरभेज पाकिस्तानी तस्कर राणा के संपर्क में था और खेप की डिलीवरी के लिए तालमेल कर रहा था। उन्होंने कहा कि अपनी गिरफ्तारी से कुछ दिन



पहले उसने इस हेरोइन की खेप को ड्रोन के जरिये पहुंचाने का प्रबंध किया था। गुरभेज ने इसमें अपने अन्य साथियों समेत अभिजीत सिंह को भी शामिल किया था। डीजीपी ने कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर एनटीएफ बाईर रेंज अमृतसर की टीमों ने दोनों मुलाजिमाओं को उस समय गिरफ्तार किया, जब वह हेरोइन को आगे बेचने की कोशिश कर रहे थे। उनके कब्जे से हेरोइन और ड्रग मनी बरामद करने के इलावा पुलिस टीमों ने उनका स्कूटर भी जप्त कर लिया है।

उन्होंने कहा कि पूरी स्पलाई चैन को खत्म करने के लिए आगे जांच जारी है और आगामी दिनों में और गिरफ्तारियां हुईं बरामदगियां होने की संभावना है।

पश्चिम बंगाल में 22 रोहिया गिरफ्तार, 10 वर्षों से पहचान छुपा कर भारत में रह रहे थे

कोलकाता। म्यांमार से बांग्लादेश होते हुए भारत में दाखिल हुए 22 रोहिया नागरिकों को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बसिरहाट उपमंडल के शायस्ता नगर इलाके से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इन्हें उस समय पकड़ा जब वे गुप्तपू तरीके से सीमा पार कर बांग्लादेश लौटने की कोशिश कर रहे थे। शुक्रवार को सभी आरोपितों को अदालत में पेश किया गया। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार तड़के शायस्ता नगर एक नंबर ब्लॉक के लवंग इलाके में 22 संदिग्ध लोगों को घूमते देखा गया। स्थानीय निवासियों को उन पर शक हुआ और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची बाहुदिया थाना पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। जांच में कोई बंध दस्तावेज न मिलने पर पुलिस को संदेह हुआ। बाद में पूछताछ में उन्होंने माना कि वे बांग्लादेश लौटने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार लोगों में पांच महिलाएं, चार पुरुष और 13 नाबालिग शामिल हैं। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे करीब 10 वर्ष पहले म्यांमार से बांग्लादेश के रास्ते अवैध रूप से भारत आए थे और उसके बाद हैदराबाद सहित देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे थे। इस दौरान उन्होंने नाम और पहचान छुपा रखी थी।



महिला सशक्तीकरण के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग और सेतु आयोग के बीच समझौता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय महिला आयोग और उत्तराखंड के सेतु आयोग के बीच शुक्रवार को विकसित एवं सशक्त उत्तराखंड को लेकर महिला सशक्तीकरण विषय के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए एक द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर और सेतु आयोग के उपाध्यक्ष राज शेखर जोशी के बीच संपन्न हुआ।

इस समझौते का उद्देश्य राज्य में महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आर्थिक भागीदारी एवं विधिक जागरूकता को सुदृढ़ करना है। प्रस्तावित कार्यक्रमों में एकीकृत ग्रामीण स्मार्ट गांव केंद्रों की स्थापना, विवाह पूर्व संवाद केंद्र, उच्च शिक्षण संस्थानों में महिला सुरक्षा एवं संरक्षण पर केंद्रित



प्रशिक्षण तथा कार्यस्थलों को महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित एवं समावेशी बनाए जाने जैसे लक्ष्य समितित हैं।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत राष्ट्रीय महिला

आयोग की भूमिका केंद्रबिंदु में होगी, जिसमें आयोग महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण से जुड़े राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में अर्जित अनुभव के आधार पर तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा।

इसके साथ उत्तराखंड की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण सामग्री, माईटूल एवं ज्ञान संसाधनों का विकास करना, राष्ट्रीय स्तर पर अपनाई गई सर्वोत्तम प्रक्रियाएं साझा करना, राज्य स्तरीय

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, वयों कि वह हेल्थ इंश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

▶ आज भागमभाग की जिन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसे कोई घर नहीं है, जहां कोई बीमारी ना हो, लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।

▶ लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति

जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियां आदमी के ऊपर अटक नहीं कर पाएंगी।
▶ हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।
▶ डाबर के उत्पाद बाजार में छाए हैं बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलां औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत ट्राई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिस्क

आज आयुर्वेद का जमाना है और लोग अंग्रेजी दवाइयां खाकर ऊब चुके हैं, यही नहीं इन दवाओं के साइड इफेक्ट से लोग हमेशा डरते रहते हैं। यदि कोई गंभीर बीमारी है तो चेकअप वगैरह कराने में ही दम फूल जाता है।

भी काफी रहती है।
▶ आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।
▶ पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अल्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छन लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निहें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहें तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें।
▶ खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। की वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।

▶ यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयां काफी प्रचलित हो रही हैं। आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोविरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।

▶ एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत-सी असाध्य बीमारियां ठीक होती हैं।



आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती हैं। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती हैं। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की औसत आमदनी का जरिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

▶ एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।
▶ यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।
▶ नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।
▶ शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले हैं तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते हैं।



खुशियों का खजाना आपके ही पास है

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते हैं। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बोझिल महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपना काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रंगते हुए ट्रैफिक में मुस्कुराने, जाम के खुलने का मुस्कुराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा है? अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो-साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेंडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर-रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेंडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, क्योंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।



न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाइ-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ड्राइविंग लाइसेंस बनवा देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आए दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

▶ जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नहीं करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते हैं। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।

▶ टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों-वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।

हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।
▶ स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूल रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।

▶ हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं, जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आवरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं।

▶ माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।

▶ वयस्क एवं रेशाहीन आहार तथा शारीरिक श्रम का अभाव डायबिटीस, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। आज के पढ़े लिखे माता-पिता भी अपने नन्हें-मुन्नों को पिज्जा और बर्गर खिलाते तथा कोकाकोला आफर करने से गुरेज नहीं करते हैं। इस प्रकार उनका स्वाद फास्ट फूड के लिए विकसित होकर, घर के पौष्टिक खाने को नकारने लगता है।
▶ अब तो गांवों में भी कोकाकोला, चिप्स और ब्रेड का खूब प्रचलन हो गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम जान बूझ कर रोगों के जाल में फँसते चले जा रहे हैं।

स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीयता नहीं दी जाती है।

▶ पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है।
▶ लड़कों को अविवारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शर्मीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है।
▶ महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारी का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या दहेज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन
(डब्ल्यू.एच.ओ.)
मानव स्वास्थ्य पर
शहरीकरण के प्रभावों
को विशिष्ट रूप से
दर्शाते हुए शहरों को
एक बेहतर रहने
लायक जगह बनाने
पर जोर देता है।

स्वास्थ्य का रखें ख्याल

▶ रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् श

संक्षिप्त समाचार

थॉमस फ्रैंक बने टोटेनहम के
नाए हेड कोच, तीन साल के
कॉन्ट्रैक्ट पर हुई नियुक्ति

लंदन। टोटेनहम हॉटस्पर फुटबॉल क्लब ने डेनमार्क के कोच थॉमस फ्रैंक को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। गुरुवार को क्लब ने घोषणा की कि फ्रैंक ने तीन साल का अनुबंध साइन किया है, जो 2028 तक चलेगा। 51 वर्षीय थॉमस फ्रैंक ने करीब एक दशक तक ब्रेटफोर्ड क्लब के साथ काम किया और अब वे टोटेनहम में एंजे पोस्टेकोग्लू की जगह लेंगे। पोस्टेकोग्लू को पिछले सप्ताह बर्खास्त कर दिया गया था, हालांकि उन्होंने मैनेजस्टर यूनाइटेड को हराकर यूरोपा लीग फाइनल जीतकर टोटेनहम को 17 साल में पहली ट्रॉफी दिलाई थी। टोटेनहम ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, थॉमस फ्रैंक फुटबॉल की दुनिया के सबसे प्रगतिशील और नवाचारपूर्ण कोचों में से एक हैं। उनके पास खिलाड़ियों और टीम को विकसित करने का शानदार रिकॉर्ड है और हम उन्हें नए सीजन की तैयारी के लिए टीम की कमान सौंपने को लेकर उत्साहित हैं। फ्रैंक ने दिसंबर 2016 में ब्रेटफोर्ड से जुड़ाव शुरू किया था और 2018 से वे टीम के मैनेजर बने। उन्होंने खुद को एक टैक्टिकली समझदार और लचीले कोच के रूप में स्थापित किया, जो सामान्य या पिछली टीमों में असफल रहे खिलाड़ियों को भी निखारने में माहिर रहे हैं।

सिफत कौर समरा ने किया
एसएलआई का समर्थन, कहा-
शूटिंग क्रांति का सही समय

नई दिल्ली। पंजाब की 23 वर्षीय शूटिंग स्टार सिफत कौर समरा ने भारत की पहली शूटिंग लीग (शूटिंग लीग ऑफ इंडिया-एसएलआई) को देश में इस खेल के लिए एक गेम-चेंजर बताया है। एशियाई खेलों 2022 में महिलाओं की 50 मीटर राइफल ग्री प्रोजीशन के फाइनल में विश्व रिकॉर्ड 469.6 अंक बनाकर इतिहास रचने वाली सिफत को उम्मीद है कि यह लीग न केवल शूटर्स, बल्कि फैंस और भविष्य की प्रतिभाओं के लिए भी एक नया मंच तैयार करेगी। सिफत ने कहा, भारतीय शूटिंग में ऐसा पहली बार हो रहा है और मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ा कदम है। आज भी लोग शूटिंग को लेकर बहुत कुछ नहीं जानते। लीग फॉर्मेट इस खेल को दर्शकों के करीब लाएगा और हमें शूटर के तौर पर एक नया लेटफॉर्म देगा—प्रतियर्धात्मक रूप से भी और व्यक्तिगत तौर पर भी। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहले ही कई पदक जीत चुकी सिफत—जिनमें एशियन गेम्स का गोल्ड और सिल्वर और आईएसएसएफ वर्ल्ड कप का ब्रॉन्ज शामिल है, लीग के उस फॉर्मेट को लेकर खास तौर पर उत्साहित हैं जिसमें भारत के टॉप शूटर एक-दूसरे के खिलाफ टीम राइफलरी में उतरेंगे। उन्होंने कहा, हम आमतौर पर व्यक्तिगत या नेशनल टीम के तौर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हैं।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का यूरोप दौरा

भारतीय टीम की लगातार तीसरी
जीत, बेल्जियम को 3-2 से हराया

एंटवर्प ■ एंजेसी

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को बेल्जियम को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। यह मुकाबला एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिन्क्स से प्लेन में खेला गया। भारत के लिए सोनम (4'), ललथनतलुआंगी (32') और कनिका सिवाच (51') ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से मैरी गोएन्स (37') और माटें मैरी (40') ने गोल किए।

मैच की शुरुआत से ही भारत ने आक्रामक तैवर दिखाए। चौथे मिनट में सोनम ने शानदार फील्ड गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। पहले हाफ में भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे ललथनतलुआंगी ने 32वें मिनट में गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर



दिया।

इसके बाद बेल्जियम ने जोरदार वापसी की। 137वें मिनट में मैरी गोएन्स ने पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए पहला गोल किया और फिर 40वें मिनट में माटें मैरी ने फील्ड गोल कर

स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

चौथे क्वार्टर में जब खेल खत्म होने में केवल 9 मिनट बाकी थे, तब कनिका सिवाच ने एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारत को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिलाई और टीम

की जीत सुनिश्चित की।

बेल्जियम पर लगातार तीन जीत दर्ज करने के बाद अब भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम यूरोप दौरे में अगला मुकाबला 14 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम यूरोप में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के अहम मुकाबलों के लिए तैयार



लंदन ■ एंजेसी

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (महिला) के दूसरे और अंतिम चरण के मुकाबलों के लिए तैयार है। यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का सामना ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन से होगा। फिलहाल 9 अंकों के साथ छठे स्थान पर काबिज भारतीय टीम 14 और 15 जून को लंदन के ली वेली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद टीम 17 और 18

14-15 जून को ऑस्ट्रेलिया
से भिड़ेंगी भारतीय पुरुष
और महिला टीमें

जून को अर्जेंटीना से भिड़ेंगी।

आगामी मुकाबलों को लेकर टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि हम इस चरण में अपने से ऊपर रैंकिंग वाली टीमों को हराएं। हमने अपनी तैयारियों के तहत हर मैच की रिकॉर्डिंग की है और प्रदर्शन की समीक्षा की है, ताकि कमियों को सुधारने के साथ-साथ अपनी ताकत

को पहचान सकें और उसे बरकरार रख सकें।

लंदन के मैचों के बाद भारतीय महिला टीम 21 और 22 जून को एंटवर्प में बेल्जियम से भिड़ेंगी। इसके बाद टीम का आखिरी मुकाबला 28 और 29 जून को बर्लिन में चीन के खिलाफ होगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी 14 और 15 जून को एंटवर्प में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। टीम वर्तमान में 15 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है और शीर्ष तीन में बने रहने के लिए उसे इन मुकाबलों में जीत

हासिल करनी होगी।

भारतीय पुरुष टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम 21 और 22 जून को जरूरी है। इससे हमें न केवल जरूरी अंक मिलेंगे, बल्कि टीम को जीत की लय भी मिलेगी। पिछली चार भिड़ंतों में हम बेहद करीबी मुकाबलों में हारे हैं, लेकिन अब हम इस क्रम को तोड़ना चाहते हैं और जीत की राह पर लौटना चाहते हैं।

एफआईएच प्रो लीग के इन अहम मुकाबलों में दोनों भारतीय टीमों में जीत की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सोना फिर एक लाख रुपये के
पहुंचा पार, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की वजह से सोने की कीमत में लगातार तीसरे दिन तेजी जारी रही। सोने की प्रति 10 ग्राम का भाव फिर एक लाख रुपये के पार पहुंच गई है। चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ईरान पर इजराइल के सैन्य हमले के बाद बढ़े तनाव के बीच राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के सरफा बाजार में शुक्रवार को कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएच 7एस) पर सोने की कीमत 2,200 रुपये उछलकर 1,01,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गई। चांदी की कीमत भी 1,100 रुपये बढ़कर 1,08,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से निवेशकों का रुझान सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर बढ़ने से सोने के दाम में तेजी रही। एमसीएक्स पर सोना आज 1,108 रुपये यानी 1.12 फीसदी बढ़कर 99,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि गुरुवार को सोना 98,392 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इससे पहले 22 अप्रैल को सोना 1,800 रुपये चढ़कर 1,01,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.17
अरब डॉलर बढ़कर 696.65
अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार छह जून को समाप्त हफ्ते में 5.17 अरब डॉलर बढ़कर 696.65 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते में 30 मई को विदेशी मुद्रा भंडार 1.24 अरब डॉलर घटकर 691.48 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया है कि छह जून को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा अस्तित्वा 3.47 अरब डॉलर बढ़कर 587.68 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस अवधि के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.58 अरब डॉलर बढ़कर 85.88 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 10.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.67 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 1.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.4 अरब डॉलर पहुंच गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर 2024 के अंत में 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

व्यापार

केंद्र ने ईवी, हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं को कौशल
प्रदान करने शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया

नई दिल्ली ■ एंजेसी

केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के युवाओं के कौशल विकास के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के तहत देश के चुनिंदा आईटीआई और एनएसटीआई में छात्रों को हरित कौशल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन कौशल प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एमएसडीई के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है, जो युवाओं को इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और हरित ऊर्जा क्षेत्रों के लिए कौशल प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम शेल के कार्यान्वयन साझेदार एडुनेट फाउंडेशन द्वारा 5 राज्यों में क्रियान्वित किया जाएगा। इसके जरिए हजारों छात्रों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और नवीकरणीय ऊर्जा में उद्योग-तैयार कौशल प्रदान किए जाएंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय एमएसडीई और शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ हमारा सहयोग कौशल को स्थिरता के साथ जोड़ने की सरकार की गहरी



गोयल ने स्वीडन के उद्यमियों के साथ की बातचीत

नई दिल्ली।





इंदिरा चौक पर सामाजिक संगठनों ने प्लेन हादसे में मृतकों के दुःखद निधन पर शोक व्यक्त किया

नर्मदापुरम । अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसे में मृत लोगों को श्री समर्पण श्री परिवार द्वारा भावपूर्ण श्रद्धांजलि स्थानीय इंदरा चौक पर दी गई और परमपिता परमेश्वर से हादसे में मृत लोगों की आत्म की शांति के लिए प्रार्थना की गई कि परमपिता परमेश्वर अपने श्रीचरणों में स्थान दे श्रद्धांजलि में मोमबत्ती जलाकर और 2 मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी गई । इस श्रद्धांजलि में श्री समर्पण श्री संस्था के संरक्षक डॉ अतुल सेठा, संजीव मिश्रा, स्वदेश सेनी, रहमान खान, विशाल चावरीया, राज खिल्लारे, रोहित कलौसिया, वीरू पटवा, अमर शर्मा, आकाश सोनी, राजू आसरे पंकज वैध, अनुरा सोनी, सबू असासी, रानू खान, अमन चट्टिले, केतन बरगले, जस्सी बाबरा, अकिंत सराटे, जुनेद ताजी, ऋषभ शर्मा, शुभम तिवारी, एवं अनेक नागरिक वहां पर मौजूद रहे ।

एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर आधारित होगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

रायसेन ■ अमृत दर्शन

शासन के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को जिला, विकासखण्ड एवं पंचायत स्तर पर सामूहिक योग कार्यक्रमों का वृहद आयोजन किया जाएगा । इन कार्यक्रमों में सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों (स्कूल शिक्षा/उच्च शिक्षा/चिकित्सा शिक्षा/तकनीकी शिक्षा/आयुष/नर्सिंग/ पशु चिकित्सा/कृषि शिक्षा) पॉलिटेक्निक, आईटीआई एवं समस्त शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों के छात्रों के अलावा अन्य समस्त शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी शामिल होंगे । साथ ही योग संस्थानों, एनसीसी, एनएसएस, पुलिसकर्मियों, विभिन्न प्रशिक्षण संस्थान, शासकीय सेवकों, स्वयंसेवी संगठन, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक संगठन सहित आम नागरिकों को सामूहिक योग कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी । पॉलिटेक्निक, आईटीआई एवं समस्त शासकीय/निजी संस्थाओं द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस में शामिल होने आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दी गई लिंक पर आयोजक के रूप में पंजीयन कराना होगा । इससे केन्द्र सरकार के स्तर पर प्रदेश में आयोजन की संख्या निर्धारित हो सकेगी । उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा योग को वैश्विक पहचान देते हुए वर्ष 2015 में 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया है ।

सांची, भीमबैठका सहित प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर

भी होगा आयोजन: केन्द्र सरकार द्वारा इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की निर्धारित थीम "एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग" रखी गई है । सांची तथा भीमबैठका सहित प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी योग दिवस का आयोजन किया जाएगा । प्रमुख पर्यटन स्थल अनुपपुर- अमरकंटक मंदिर समूह, जिला रायसेन- भीमबैठका गुफा परिसर पार्किंग क्षेत्र के सामने, जिला भोपाल- कमलापति पैलेस, जिला उमरिया- बांधवगढ़, जिला ग्वालियर- किला, मान मंदिर के पास, जिला छतरपुर- खजुराहो, पश्चिमी मंदिर समूह, जिला निवाड़ी- ओरछा, जिला रायसेन- सांची, स्तूप नंबर 1 के पास लाइट एंड साउंड शो क्षेत्र, जिला धार- माण्डू, जहाज महल के सामने तथा जिला खरगोन- महेश्वर में आयोजन किया जायेगा ।

प्रदेश में समय-सारणी अनुसार एक ही समय पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । योगाभ्यास प्रातः 7 से 7:45 बजे होगा ।

संक्षिप्त समाचार

म.प्र. शासन के मंत्रीगण

आज पचमढी प्रवास पर रहेंगे

नर्मदापुरम । म.प्र. शासन के मंत्रीगण 14 जून को पचमढी में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे । इसके लिए मंत्रीगण 13 जून की सायं ही पचमढी पहुंचेंगे । प्राप्त जानकारी के अनुसार उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह, पचमढी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे । इसी क्रम में केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य विभाग मंत्री केशव विजयवर्गी, नदीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, किसान कल्याण एवं कृषि विभाग मंत्री ऐंदल सिंह कंबाना, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास विभाग मंत्री डॉ कुंदर विजय शाह, केन्द्रीय मंत्री एल मुरुगन, न्याय व अधिकारिता मंत्री भारत सरकार डॉ वीरेन्द्र कुमार पचमढी प्रवास पर रहेंगे ।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम योजना से 04 माह के विभम हुआ लाभार्थित

नर्मदापुरम । नर्मदापुरम जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल हुई है, जिसमें 4 महीने के बच्चे विभम मेहरा का जन्मजात कटे होट (क्लेफ्ट लिप) का निशुल्क ऑपरेशन हुआ है । विभम के पिता अभिषेक मेहरा और माता भावना ने बताया कि उन्हें अपने बच्चे की इस समस्या के बारे में पता था, लेकिन वे इसका इलाज करने में असमर्थ थे । आरबीएसके की शहरी टीम द्वारा आगनबाड़ी केन्द्र में विभम का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उसके पिता को जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र नर्मदापुरम में ले जाने की सलाह दी गई । जहां पर जिला समन्वयक कविता साल्वे ने दस्तावेज तैयार कर सीएमएचओ से अपूर्व कराकर विभम को उच्च इलाज ऑपरेशन हेतु लेके सिटी हॉस्पिटल भोपाल भेजा । 25 अप्रैल 2025 को लेक सिटी हॉस्पिटल में विभम का निशुल्क क्लेफ्ट लिप फटे होट का सफल ऑपरेशन राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत हुआ ।

स्टाम्प वेंडर ने 500 का स्टाम्प 800 में बेचा

हरदा । हरदा में टिम्पनी के एक स्टाम्प वेंडर द्वारा 500 रुपए के स्टाम्प के 800 रुपए लेने की शिकायत के बाद जिला पंजीयक दिनेश कुमार कौशल ने कार्रवाई की । उन्होंने इस वर्ष पहली बार न्यायालय परिसर हरदा और आरपास के लाइसेंसधारी स्टाम्प वेंडर और सेवा प्रदाताओं के कार्यस्थल का निरीक्षण किया । इस दौरान अनुपस्थित पाए जाने पर न्यायालय परिसर के चार स्टाम्प वेंडर सुशान्त मिश्रा, जयशंकर दुबे, बसंत राजपूत और संदीप शर्मा के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए । इसी तरह वरदान कॉम्लेक्स न्यायालय परिसर के सार्वजनिक सेवा प्रदाता अजय शर्मा और दीपाली गार्गव के भी लाइसेंस निलंबित किए गए ।

रायसेन में पानी के लिए चक्काजाम

सड़क पर बैठी महिलाओं ने बर्तन बजाकर किया विरोध; तहसीलदार के आश्वासन पर हटीं

रायसेन ■ अमृत दर्शन

रायसेन में शुक्रवार दोपहर वार्ड 13 में ताजपुर की महिलाओं ने पानी की समस्या को लेकर तहसील कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया । महिलाएं अपने छोटे बच्चों के साथ खाली बर्तन लेकर पहुंची और चक्काजाम कर दिया ।

महिलाओं ने 30 मिनट तक सड़क जाम किया: महिलाओं की मांग है कि या तो उन्हें सामूहिक बोर की अनुमति दी जाए या उनके वार्ड में एक सरकारी बोर स्थापित करे । प्रदर्शन के दौरान करीब 30 मिनट तक सड़क जाम रही । जिससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई ।

तहसीलदार ने जल्द समाधान का दिया आश्वासन: सूचना मिलते ही तहसीलदार हर्ष विक्रम सिंह मौके पर पहुंचे । महिलाओं ने बताया कि वे पहले ही अपनी समस्या से अवगत करा चुकी हैं । लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है । तहसीलदार ने महिलाओं को जल्द समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया । साथ ही तुरंत राहत के लिए इलाके में पानी टैंकर भेजने का वादा किया ।



तहसीलदार वार्ड 13 ताजपुर का दौरा कर पानी की समस्या का जायजा लिया: कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और महिलाओं को समझाने का प्रयास किया । आश्वासन के बाद महिलाओं ने प्रदर्शन समाप्त कर दिया । तहसीलदार ने पटवारी के साथ वार्ड 13 ताजपुर का दौरा कर पानी की समस्या का जायजा लिया ।

जनजातीय वर्ग के प्रत्येक व्यक्ति को मिलेगा शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ

धरती आबा अभियान के तहत रायसेन जिले के चिन्हित ग्रामों में 15 जून से 30 जून तक लगेगे शिविर

रायसेन ■ अमृत दर्शन

प्रदेश के साथ ही जिले में भी जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे के सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा व आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति हेतु सरकार द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है । कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि धरती आबा अभियान के तहत जिले में विहित जनजातीय बहुल ग्रामों तथा दूरस्थ बस्तियों में 15 जून से 30 जून तक आयोजित किए जाने वाले शिविरों के प्रभावी और सफल आयोजन हेतु अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं । साथ ही कलेक्टर द्वारा स्वयं इसकी मॉनीटरिंग की जाएगी । इन शिविरों के माध्यम से विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ अंतिम पक्षित के व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा ।

यह शिविर जिला प्रशासन, सीएससी, स्थानीय अधिकारियों तथा प्रंटलाइन वर्कर्स के समन्वित प्रयास से संचालित होगा । ग्राम स्तर पर सेवा अंतराल को पहचान, सूक्ष्म कार्ययोजना निर्माण, शिविर कैलेंडर निर्धारण एवं रियल-टाइम निगरानी तंत्र को व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी । धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत सभी जनजातीय परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु कौशल विकास, उद्यमिता संवर्धन और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं । साथ ही सभी पात्र जनजातीय परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराना और जनजातीय ग्रामों में सड़क, पानी, बिजली जैसी बुनियादी सेवाओं का विस्तार किए जाने के साथ ही मोबाइल मेडिकल यूनिट्स (एमएमयू) की स्थापना भी की जाएगी जिससे कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर पहुंच सुनिश्चित की जा सके ।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में रायसेन जिले की 77 ग्राम पंचायतों के 92 ग्रामों को चिन्हित किया गया है । जिनमें विकासखण्ड सांची के 10 ग्राम, विकासखण्ड गैरलागंज के 07 ग्राम, विकासखण्ड बेगमगंज के 03 ग्राम, विकासखण्ड सिलवानी के 32 ग्राम, विकासखण्ड उदयपुरगंज के 04 ग्राम, विकासखण्ड बाड़ी के 10 ग्राम और विकासखण्ड औबेटुल्लागंज के 26 ग्राम शामिल हैं । इन ग्रामों में सर्वे उपरंत चिन्हित 15231 परिवारों को केन्द्र सरकार के ग्रामीण विकास, जल शक्ति, विद्युत, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, कौशल विकास, कृषि, दूरसंचार और जनजातीय कार्य विभाग सहित अन्य विभागों/मंत्रालयों की 25 योजनाओं/गतिविधियों का शत प्रतिशत संचुेशन किया जाएगा ।

16 जून से 15 अगस्त तक मछली के शिकार पर लगेगा प्रतिबंध

नर्मदापुरम ■ निख

नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मोना ने 16 जून 2025 से 15 अगस्त 2025 तक की अवधि में मत्स्याखेट को प्रतिबंधित किया है । कलेक्टर के आदेश में बताया है कि मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा 3 (2) के अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु घोषित किया गया है । इस अवधि में मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन